प्रारूप–

भूवैज्ञानिक आख्या

परियोजना का नाम– राज्य योजना के अन्तर्गत उत्तरकाशी के विधान सभा क्षेत्र यमुनोत्री में मरगांव जसपुर चमियारी से उलण मोटर मार्ग का नव निर्माण हेतु 9.00 कि0मी0 लम्बाई हेतु 4.879 हे0 आरक्षित/सिविल वनभूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रस्तावित परियोजना की भूवैज्ञानिक आख्या सलग्न है।

प्रारुप–30

परियोजना का नाम :– राज्य योजना के अन्तर्गत उत्तरकाषी के विधान सभा क्षेत्र यमुनोत्री में मरगांव जसपुर चमियारी से उलण मोटर मार्ग का नव निर्माण हेतु 9.00 कि0मी0 लम्बाई हेतु 4.879 हे0 आरक्षित/सिविल वनभूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

जनपद उत्तरकाशी में मरगांव–जसपुर–चमियारी से उलण मोटर मार्ग के विस्तार हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग चिन्यालीसौड़ के अन्तर्गत 9.00 कि0 मी0 लम्बाई में मरगांव–जसपुर–चमियारी से उलण विस्तार मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 चिन्यालीसौड़ के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 10.6.15 को सम्बंधित कनिष्ठ अभियन्ता श्री वाई.पी.सिंह के साथ निरीक्षण किया गया।

2. राज्य योजना के अन्तर्गत मरगांव–जसपुर–चमियारी से उलण विस्तार मोटर मार्ग का 9.00 कि.मी. लम्बाई मे निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग के निर्माण हेतु निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 चिन्यालीसौड के द्वारा प्रारम्भिक रूप से दो समरेखनो पर विचार किया गया है। तकनीकी बिन्दुओं एंव स्थानीय ग्रामवासियों की सहमति को ध्यान में रखते हुये खण्ड के द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। धरासू–जसपुर–चमियारी मोटरमार्ग 10.00 कि.मी. लम्बाई में पूर्व निर्मित है। प्रस्तावित समरेखन पूर्व निर्मित मोटर मार्ग के अंतिम बिन्दु (9/40) से आगे आरम्भ होता है तथा निर्धारित 9.00 कि.मी. लम्बाई में उलण पहुंच कर समाप्त होता है। इस मार्ग से ग्राम पीपलखण्डा, हलगांव, गमरी, बरगांव, चांदपुर तथा उलण आदि लाभान्वित होंगे। समरेखन मुख्यतः 1:24 के राईज में है। समरेखन में आठ हेयर पिन बैण्ड्स हैं, जो सामान्यतः दूर–दूर हैं। कि.मी. 8 के अंत मे समरेखन एक स्थानीय गधेरे को पार करता है, जिस पर लघु सेतु के निर्माण की आवश्यकता होगी। समरेखन अलग–अलग भाग मे आरक्षित वन भूमि, सिविल सोयम एवं नाप भूमि से होकर गुजरता है। नाप भूमि की तुलना में वन भूमि मे पहाड़ी ढलान अपेक्षाकृत तीव्र है। समरेखन क्षेत्र में संधियुक्त क्वार्टजाईट चट्टान है तथा स्थान–स्थान इनके ऊपर ओवर बर्डन मैटेरियल है।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाड़ी ढलान तीव्र है, वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ फिल टेक्नीक से कराया जा सकता है, किन्तु फिलिंग मैटेरियल की गुणवत्ता एवं रिटेनिंग दीवार के डिजाइन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जायें।

(घ) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिये

(ङ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(च) जहां मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(छ) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(ज) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जाये। खड्ड साईड में फैकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(झ) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4. मरगांव–जसपुर–चमियारी से उलण मोटर मार्ग के विस्तार हेतु 9.00 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar 2.7.15

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
चिन्यालीसौड उत्तरकाशी